(b) if so, the causes of derailment; and

(c) the damage to life and property caused by this accident?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) Yes. The train was bound for Sealdah and coming from Lakshmikantapur.

(b) The cause of the accident is under investigation by the Additional Commissioner of Railway Safety, Calcutta.

(c) The accident resulted in 7 persons being injured of whom 2 sustained grievous injuries.

The cost of damage to railway property has been assessed at Rs. 5,100 approximately.

Training for Testing of Seeds

1458. Shri Ram Harkh Yadav: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether any special training course is being opened shortly in Delhi for improving and testing seeds; and

(b) if so, the details of the training course and the number of trainees in the training centre?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) Yes. The Course started on the 24th February, 1964 and is of six weeks' duration.

(b) 17 trainees are attending the Course. It aims at imparting training in seed testing and certification methods.

सड़क सूचक चिह्न

१४५९. **श्री मोहन स्वरूप**
श्री कछवाय :
स्वामी रामेश्वरानन्द :

क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि राष्ट्रीय राज-मार्गों पर जो सूचनायें केवल अंग्रेजी में लगी हुई हैं उन्हें हिन्दी में भी लिखाने के लिए क्या कार्यवाही की गई है अथवा की जा रही है ?

परिवहन मंत्रालय में नौवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या एल टी २५७६/६४]

दिल्ली परिवहन के कार्यालय म हिन्दी का प्रयोग

१४६०. **श्री कछवाय :**
श्री योगन्द्र झा :
स्वामी रामेश्वरानन्द :

क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली परिवहन प्राधिकार के कार्यालय में सरकारी कार्य में हिन्दी का प्रयोग किस सीमा तक आरम्भ किया गया है; और

(ख) शेष कामों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिये क्या व्यवस्था की जा रही है ?

परिवहन मंत्रालय में नौवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) दिल्ली परिवहन प्राधिकार के कार्यालय में हिन्दी का प्रयोग निम्न सीमाओं तक आरम्भ किया गया है :

(१) नाम-पट्ट और साईन बोर्डस् (संकेत फलक) हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में लिखे गये हैं।

(२) शिकायत की पेटी और अस्थायी परमिट के आवेदन पत्रों की पेटी में ब्यौरा, हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में अंकित किया गया है।

(३) कार्यालय-फाइलों में निशान-पर्चियां सामान्यतया हिन्दी में लिखी जाती हैं।

(४) कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर हिन्दी में रखा जाता है ।

(५) कुछ फाइलों में टिप्पणियां हिन्दी में लिखी जाती हैं ।

(६) टैक्स टोकनों के फार्म हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में हैं और कोई भी व्यक्ति इच्छानुसार उन्हें हिन्दी या अंग्रेजी में भर सकता है ।

(७) कर्मचारियों से, अपनी छुट्टी की अर्जियों को हिन्दी में भेजने का अनुरोध किया गया है ।

(ख) हिन्दी के प्रयोग में और अधिक प्रगति, अधिकांशतः हिन्दी जानने वाले कर्मचारियों के उपलब्ध होने पर, और विद्यमान कर्मचारियों के हिन्दी में काम चलाने योग्य ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता पर भी निर्भर करती है ।

Civil Aviation Development Fund

1461. Shri Yashpal Singh: Will the Minister of **Transport** be pleased to state:

(a) when the Civil Aviation Development Fund is likely to be set up;

(b) apart from the Central grants, what will be its other sources; and

(c) the purposes this Fund will serve?

The Deputy Minister in the Ministry of Transport (Shri Mohiuddin): (a) to (c). A reference in this connection may be made to the provision made under Demand No. 88-Aviation for Block Grant for transfer to the Civil Aviation Development Fund on page 27 and the explanatory note in connection therewith on pages 159-160 of the Demands for Grants of the Ministry of Transport for 1964-65, which explain the purposes and the scope of the Civil Aviation Development Fund.

ज्वार का उत्पादन

१४६२. श्री दे० शि० पाटिल : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तीसरी पंचवर्षीय योजना की अवधि में देश में ज्वार का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं;

(ख) क्या इन कदमों के फलस्वरूप तीसरी योजना के पहले तीन वर्षों में ज्वार का उत्पादन कुछ बढ़ा है; और

(ग) यदि हां, तो कितना ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) देश में ज्वार के उत्पादन बढ़ाने के कदम तीसरी योजना के अन्तर्गत एक व्यापक कार्यक्रम में शामिल कर लिये गये हैं, यह खाद्य उत्पादन विभिन्न साधनों जैसे सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाना, रासायनिक उर्वरकों और कार्बनिक खादों की खपत को बढ़ाना, सुधरे बीजों का सघन उपयोग और वनस्पति रक्षा उपाय इत्यादि द्वारा बढ़ाया जाना है ।

इसके अतिरिक्त राज्य सरकारों से प्रार्थना की गई है कि ४० चुने हुए जिलों में ज्वार उत्पादन के लिए विशेष ध्यान दिया जाये । इन जिलों में ज्वार के उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष रूप से निम्न कदम उठाने का सुझाव दिया गया है : —

१. उन्नत किस्मों का इस्तेमाल, जिन में संकर ज्वार सम्मिलित है, जहां पर वह उपलब्ध हो ।

२. बीजों का गन्धक से संवारना ।

३. १५ पौंड नाइट्रोजन प्रति एकड़ की दर से नाइट्रोजन पूरक उर्वरकों का इस्तेमाल ।